ACHARYA SCHOOL OF DESIGN
LIBRARY
Date.........
BENGALURU

100307

No. of Printed Pages : **2**

GS-112

IV Semester B.A. Examination, May/June 2019

HINDI LANGUAGE - IV (F+R)

Upanyas Film Review & Translation

(CBCS) (2016-17 & Onwards)

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : 10x1=10

1. सुषमा की नौकरानी का नाम क्या है ?
2. नील कहाँ काम करता था ?
3. प्रतिमा क्या बनना चाहती थी ?
4. 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास के रचनाकार का नाम लिखिए।
5. सुषमा नील से कितने साल बड़ी थी ?
6. स्वाति सेन कौन सा विषय पढ़ाती थी ?
7. नारायण की पत्नी के पिता क्या काम करते थे ?
8. सुभाष अपना ट्रांसफर कहाँ करवाना चाहता था ?
9. नील को ऑफिस की तरफ से कहाँ भेज रहे थे ?
10. सुषमा किस एसोसियेशन की सेक्रेटरी थी ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2x7=14

1. अच्छा किया कि आप आ गई। इस परदेश में कोई अपना मिल जाता है तो बड़ी खुशी होती है।
2. ''तुम शादी क्यों नहीं करतीं, तुम देखने में अच्छी हो, कुलीन परिवार से आई हो।''
3. ''तुम्हारे पास खूबसूरत चेहरे के अलावा एक बहुत व्यावहारिक बुद्धि और अपना भला समझनेवाला दिमाग भी है।''

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : 1x16=16

1. ''पचपन खम्भे लाल दीवारें'' उपन्यास का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. ''आधुनिक जीवन की यह एक बड़ी विडंबना है कि जो हम नहीं चाहते वही करने को विवश है।'' पचपन खम्भे लाल दीवारें उपन्यास के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** विषय पर टिप्पणी लिखिए : 2x5=10

1. नील
2. मिस शास्त्री
3. भौंरी

V. किसी **एक** सिनेमा की समीक्षा कीजिए : 1x10=10

1. 3 इडियट्स।
2. मंथन।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1x10=10

Mahatma Buddha was born 2500 years ago. He was a great Preacher of non-violence. He said that it is our duty to be kind to all. One day, he saw an old man. Then he saw a dead man. At this he was pained at heart. He left his house and went to the jungles to do penance. He remained there for six years and at last one day he got, what he wanted. From that day, he was called "Buddha". He also preached a new religion called 'Buddhism'.

ಮಹಾತ್ಮ ಬುದ್ಧನ ಜನ್ಮವು ಎರಡು ಸಾವಿರದ ಐನೂರು ವರ್ಷಗಳ ಹಿಂದೆ ಆಯಿತು. ಅವನು ಅಹಿಂಸೆಯ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಪ್ರಚಾರಕನಾಗಿದ್ದನು. ಎಲ್ಲರನ್ನೂ ಕರುಣೆಯಿಂದ ಕಾಣುವುದು ನಮ್ಮ ಕರ್ತವ್ಯವೆಂದು ಅವನು ಹೇಳಿದ. ಒಂದು ದಿನ ಅವನು ಒಬ್ಬ ಮುದುಕನನ್ನು ಕಂಡ. ನಂತರ ಒಬ್ಬ ಮೃತ ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ಕಂಡ. ಇದರಿಂದ ಅವನ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ನೋವುಂಟಾಯಿತು. ಅವನು ತನ್ನ ಮನೆಯನ್ನು ತೊರೆದು ತಪಸ್ಸನ್ನು ಮಾಡಲು ಕಾಡಿಗೆ ಹೊರಟ. ಆರು ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಅವನು ಅಲ್ಲೇ ಇದ್ದ ಮತ್ತು ಕೊನೆಗೆ ಒಂದು ದಿನ ತನಗೆ ಬೇಕಾದದ್ದನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಂಡ. ಅಂದಿನಿಂದ ಅವನು ಬುದ್ಧನೆಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಟ್ಟ ಅವನು ಬೌದ್ಧ ಧರ್ಮವೆಂಬ ಒಂದು ಹೊಸ ಧರ್ಮವನ್ನು ಸಹ ಉಪದೇಶಿಸಿದ.

- o 0 o -